Dainik Bhaskar, 27th September 2017, Page - 17

गांवों में किफायती टॉयलेट बनाने के IIT इंदौर के प्रोजेक्ट को मिनिस्ट्री से अवॉर्ड

सिमरोल मॉडल टॉयलेट केस स्टडी को इम्पीरियल जनरल ने किया पब्लिश

सिटी रिपोर्टर | इंदौर

गावों में शौचालयों के निर्माण के लिए आईआईटी इंदौर के लो-कॉस्ट टॉयलेट्स की डिजाइन को मिनिस्ट्री ऑफ ह्यूमन रिसोर्स डेवलपमेंट ने स्वच्छता रैंकिंग के तहत अवॉर्ड दिया गया है। आईआईटी और इंदौर एडमिनिस्ट्रेशन ने गांवों में स्वच्छता कैम्पेन के तहत 3 हजार में 360 टॉयलेट्स तैयार कर उन्हें सिमरोल में इन्स्टॉल किया था। इन टॉयलेट्स पर बेस्ड एक केस स्टडी भी तैयार की गई थी। इस केस स्टडी को इम्पीरियल जनरल ने पब्लिश किया है। संस्थान व इंदौर एडमिनिस्ट्रेशन ने इसके लिए संयुक्त अवॉर्ड जीता है। आईआईटी पीआरओ प्रोफेसर निर्मला मेनन ने बताया सिमरोल मॉडल टॉयलेट्स पर इंस्टिट्यूट के सोशयोलॉजी डिपार्टमेंट के विनोद कुमार और डॉक्टर नीरज मिश्रा ने रिसर्च पेपर व केस स्टडी तैयार की है। इसे इम्पीरियल जरनल ने पब्लिश किया है। इंस्टिट्यूट की उन्नत भारत अभियान टीम इस प्रोजेक्ट को लगातार बढ़ाने के प्रयास कर रही है।

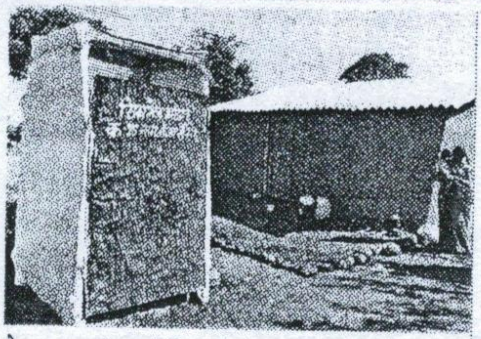

वॉट्सएप ग्रुप्स से लाए जागरूकता

सिमरोल ग्राम पंचायत में बनाए गए इन लो-कॉस्ट टॉयलेट्स के लिए टार के ड्रम्स, गांव मे तैयार की जाने वाली ईटें, सीमेंट, पीवीसी पाइप, कपड़े, बांस, स्टील शीट्स का उपयोग किया गया था। लेबर्स सहित एक टॉयलेट की कीमत 3 हजार रुपए आई थी। ग्रामीणों ने जब बगैर लेबर खुद ही टॉयलेट्स का निर्माण किया तो इसकी लागत ढाई हजार ही आई। जो अब भी खुले में शौच कर रहे थे उन तक यह बात पहुंचाने के लिए सिमरोल ग्राम पंचायत के गांवों में वॉट्सएप ग्रुप्स पर यह संदेश भेजा।